

20 8 पन्वली बंद हुई कदावायान रूप

अप्रम तप र न जव ल उर विप
हुं कि उर निर कप गुरु भावज

की पटय गरी कपल्य म (हवा है, वर

मार्क विपाय हाज्कीय म। कि र कप

में दर्प है। जितन पटय उर की
जावी कपयोजि नही है प्रग।

रिपोरि गठनीलय अनुलय पाय

की प्रागेय पत्र पाटही होने से

उपारि उ विप जावा ही पन्वली कपल

रुमय होकर नरवा से कप ही ल

दाखिन कपल है

20/8

उपखण्ड अधिकारी
पीयाड़ शहर